

अविनाश रूप से पवाल उद्दिष्ट को
हुड रिपोर्ट 8/12/17 का प्रेषण
किये

श्रीपात्र

पत्रालय उद्दिष्ट हुई। वकूलीय उपो।
उत्तरदातागण
वकील अपात्रों से। व 2 के
अधिकतागण ने उपो आकर प्रकण
मेकई पवाल प्रस्तुत नकरते हुए सीधे ही
बहस कानी चली है। अप पक्ष की बहस
श्रवण की गई। बहस के दौरान विमान
अभिगाधकगण अपीलानुसंग उत्तरदातागण
नं०। व 2 तीनों ने ही प्रकण में
अधीनस्थ न्यायालय के स्तर पर पुनः अप
किये जाने हेतु प्रकण पुनः अधीनस्थ
न्यायालय को प्रतिप्रेषित किये जाने का अनुरोध
किया। एवं 9/12 का आदेश निम्न केने की इतदुष्की।

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

P.T. 0

मापा

76

28.00

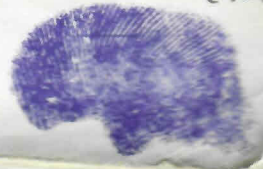
लखासेह पुत्र बाघसिंह

हबीशेह

लखासेह



श्रीमश्री कंठर



अपील पत्रपुली का आयोजन अवलोकन किया।
 उभय पक्ष को बहस पर मनन किया।
 अचीन स्पेकोर वहीलडा फतेहगढ़ की
 पत्रपुली का अवलोकन किया। इससे
 पता है कि अचीनस्थ न्यायालय ने अपने
 आदेश दिनांक 9/7/12 के द्वारा सहोदर
 दारों के मध्य विवाहन का आदेश
 पारित किया है। अपीलारस का कथन है कि
 इस विवाहन में उनकी सहमति नहीं थी
 एवं विवाहन मांक के अन्तर्गत नहीं है।
 प्रकार में अपीलारस ने अपील को मियाद
 में शामिल मानने के लिए दफा 5 मियाद
 अधिनियम का प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है।
 अपार्थगण उत्त(डाटागण) को अनुपस्थित को
 दृष्टिगत रखते हुए अपील मियाद में शुमार की
 जाती है। एवं इस वगित परिस्थितियों के
 भेद पर अचीनस्थ न्यायालय वहीलडा
 फतेहगढ़ द्वारा लखसिंह वगैरहा अपीलारस
 व प्रसूसिंह वगैरहा उत्त(डाटागण) के विवाहन
 प्रकार में पारित आदेश क्रमांक 1579/12
 दिनांक 9/7/12 एवं दारा मिला
 किया जाता है। एवं प्रकार अचीनस्थ न्यायालय को
 परिप्रेषित (Remand) कर निर्देशदिये जाते हैं कि
 वे अपीलारस व उत्त(डाटागण) को विधिवत डिकवरी
 का अवसर देकर प्रकार में नये सिरे से निर्णय
 विधि के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करते
 हुए करें।

*संभव

न किया
 किया
 की
 इमान
 ने अपने
 सहकार
 देश
 है कि
 थी
 (10/10)
 मियाद
 म्याद
 है
 के को
 मार की
 म्यो के
 लडाए
 लडाए
 के निवासे
 स्व/
 मिला
 म को
 है कि
 इनका
 निर्मा
 करते

अपीलाउस के उत्तरदातागण को निर्दिष्ट
 किया जाता है कि वे अचीनस्थ न्यायालय
 तहसीलदार फतेहगढ़ के न्यायालय में
 दिनांक 05/01/2018 को उपस्थित हो।

पत्रपत्नी फंसल शुमार होकर
 बाद तामील तकमील लेख गळर में
 जमा हो। अचीनस्थ न्यायालय की
 पत्रपत्नी तन्नाल लौटाई जावे।
 आदेश आज दिनांक 6/12/17 को
 खुले न्यायालय में सुनला गया एवं
 मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा
 से अधिकृत किया गया।

रघु
 6/12/17

(कल्याणलाल खामी)
 अनिश्चित जिला कलक्टर
 अति पॉले लमर (A.D.M.)
 जैसलमेर

न्यायालय की मुद्रा

